**GOVERNMENT OF NATIONAL CAPITAL TERRITORY OF DELHI**
**DIRECTORATE OF EDUCATION**
**OLD SECRETARIAT, DELHI-110 054.**

No.PS/DE/2014/ 330 Dated: 01./10.2014

## CIRCULAR

Attention is invited to Circular No. PS/DE/2014/324 dated 26.09.2014 whereby it was directed that the pledge regarding Swachhta would be taken at 9.30 A.M.

Now vide Circular No. F.51/14/2014/GAD/CN/2655-2658 dated 30.09.2014 issued by the General Administration Department, it has been directed that the Swachhta Shapath (Sanitation pledge) would be taken at 9.45 A.M. instead of 9.30 A.M.

Accordingly, all the officers and staff of the Directorate are hereby directed to report to their respective offices at 9.00 A.M. and take the pledge at 9.45 A.M. Rest of the instructions circulated vide Circular dated 26.09.2014 will hold good.

Copy of the Swachhta Sapath (Sanitation Pledge) to be administered is enclosed herewith.

1/10/2014.

**(PADMINI SINGLA)**
**DIRECTOR (EDUCATION)**

Copy to:

1. Addl. Secretary to Lt. Governor for information please.
2. PS to Chief Secretary, Delhi Sectt., New Delhi.
3. All Spl. Directors of Education/Addl. Directors of Education/ RDEs/DDEs/EOs/Branch In-charges, Directorate of Education.
4. All Heads of Govt./Govt. Aided/Unaided Schools.
5. PS to Principal Secretary (Education).
6. OS (IT) to upload on website.

## स्वच्छता शपथ

महात्मा गांधी ने जिस भारत का सपना देखा था उसमें सिर्फ राजनैतिक आजादी ही नहीं थी, बल्कि एक स्वच्छ एवं विकसित देश की कल्पना भी थी।

महात्मा गांधी ने गुलामी की जंजीरों को तोड़कर माँ भारती को आज़ाद कराया।

अब हमारा कर्तव्य है कि गंदगी को दूर करके भारत माता की सेवा करें।

मैं शपथ लेता हूं कि मैं स्वयं स्वच्छता के प्रति सजग रहूंगा और उसके लिए समय दूंगा।

हर वर्ष 100 घंटे यानी हर सप्ताह 2 घंटे श्रमदान करके स्वच्छता के इस संकल्प को चरितार्थ करूंगा।

मैं न गंदगी करूंगा न किसी और को करने दूंगा।

सबसे पहले मैं स्वयं से, मेरे परिवार से, मेरे मुहल्ले से, मेरे गांव से एवं मेरे कार्यस्थल से शुरुआत करूंगा।

मैं यह मानता हूं कि दुनिया के जो भी देश स्वच्छ दिखते हैं उसका कारण यह है कि वहां के नागरिक गंदगी नहीं करते और न ही होने देते हैं।

इस विचार के साथ मैं गांव-गांव और गली-गली स्वच्छ भारत मिशन का प्रचार करूंगा।

मैं आज जो शपथ ले रहा हूं, वह अन्य 100 व्यक्तियों से भी करवाऊंगा।

वे भी मेरी तरह स्वच्छता के लिए 100 घंटे दें, इसके लिए प्रयास करूंगा।

मुझे मालूम है कि स्वच्छता की तरफ बढ़ाया गया मेरा एक कदम पूरे भारत देश को स्वच्छ बनाने में मदद करेगा।

***